an>

Title: Need to solve the problem regarding fencing along Indo-Myanmar border.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : अध्यक्ष जी, मैंने पहले भी एक बार आपके समक्ष मणिपुर का मामला उठाया था। उस समय मैंने यह कहा था कि वहां नौ जनजाति के नौजवानों के शव रखे हुए हैं, उन्हें आज लगभग 190 दिन हो गये हैं। यह एक अलग सवाल था। मैं सम्पूर्ण सदन से एक प्रार्थना करना चाहता हूं कि इतने लम्बे समय तक भारतीय परम्परा के अनुसार जो शव होता है, उसका सम्मान के साथ अंत्येष्टि करने का अधिकार संस्कृति भी देती है और देश भी देता है। आंदोलन और विरोध अपनी जगह पर होगा।

माननीय अध्यक्ष : यह आपका विषय नहीं है।

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल : महोदया, मैंने आज जो नोटिस दिया है, वह वहां की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के बारे में दिया है। यह मणिपुर राज्य का विषय नहीं है, लेकिन म्यांमार की जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा है, जब देश आजाद हुआ, 1954 में पहली बार जब हमारी अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनी, उसके बाद 1976 में उसका पुनर्वलोकन हुआ। आज भी वहां चाहे किसी भी पार्टी की सरकार रही हो, केन्द्र की सरकार रही हो, जो कांग्रेस के मंत्री हैं, मैं उनसे भी कहना चाहता हूं कि वहां एक ऐसा एरिया है, जहां नौ किलोमीटर का फर्क आ रहा है। हमारी सरकार को मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि उस हिस्से के काम को रोक दिया गया है। लेकिन मुझे लगता है कि उसमें जल्दबाजी इसलिए होनी चाहिए, क्योंकि म्यांमार से बहुत बड़ी मात्रा में हमारे यहां इनफिलट्रेटर्स की घुसपैठ होती है, इसलिए उसे पूरा करना जरूरी है। लेकिन जब तक अलाइनमैन्ट पूरा नहीं होगा, तब तक ये मुश्किलें बढ़ती रहेंगी।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि चाहे सैटेलाइट सर्वे से हो या कैसे भी हो, आपकी जो द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय चर्चाएं होती हैं, उन्हें पूरा करके जैसे आपने बंगलादेश के मामले को निपटाया, वैसे ही म्यांमार का मामला सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, घुसपैठ की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है और जो अंतर्राष्ट्रीय साजिशें वहां चलती हैं, जिस कारण से वहां से ड्रग्स का पैसा आता है, वहां अन्य सोर्सेज से पैसा और हथियार भी आते हैं, वह हमारे लिए बड़ा गंभीर चुनौती का विषय है। इसलिए आंदोलन के स्वरूप बदल रहे हैं, इसे भी मैं उससे जोड़कर देखता हूं कि कहीं न कहीं उस पैसे और निर्देश के आधार पर ऐसी परिस्थितियां बनती हैं, जो देश की छवि को भी खराब करती हैं।

मैं इस तरफ आपका,सदन और सरकार का ध्यान चाहूंगा कि प्राथमिकता के आधार पर मणिपुर की परिस्थिति की चर्चा इस सदन में हो, ताकि विस्तार के साथ उन सभी बातों का ध्यान रखा जा सके। आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल, श्री सुनील कुमार मंडल, श्री राम चरण बोहरा, श्री चंद्र प्रकाश जोशी, श्री जितेन्द्र चौधरी, श्री पी.पी.चौधरी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र एवं डा.किरीट सोलंकी को श्री प्रह्लाद सिंह पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।